HD-02

June - Examination 2018

B.A. Pt. I Examination

हिन्दी गद्य भाग–II (कथा साहित्य)

Paper - HD-02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य है। अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(i) 'उसने कहा था' कहानी के रचनाकार कौन हैं?

(ii) 'चीफ की दावत' कहानी की मूल संवेदना लिखिए।

(iii) आंचालिक उपन्यास किसे कहते हैं?

(iv) अकाशदीप कहानी में मधुलिका जमीन के बदले क्या माँगने गई?

(v) 'गजाधरबाबू' किस कहानी के प्रमुख पात्र हैं?

(vi) 'कंकाल' और 'तितली' उपन्यास के रचनाकार का नाम बताइए।

(vii) 'पत्नी' कहानी में चित्रित पति और पत्नी का नाम क्या है?

(viii) 'दुलाईवाली' चर्चित कहानी की कथाकार कौन हैं?

(ix) 1964 में प्रकाशित सचेतन कहानी विशेषांक के सम्पादक कौन थे?

(x) जैनेन्द्र के किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्दसीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2) निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

''जबरा ने पड़े–पड़े दुम हिलाई और अपनी कूँ–कूँ को दीर्घ बनाता हुआ एक बार जम्हाई लेकर चुप हो गया। उसकी श्वान बुद्धि ने शायद ताड़ लिया। स्वामी को कूँ–कूँ से नींद नहीं आ रही। हलू के हाथ निकाल कर जबरा की ठंडी पीठ सहलाते हुए कहा – कल मत आना मेरे साथ नहीं तो ठण्डे हो जाओगे चिलम भरुँ, किसी तरह रात तो कटे। आठ चिलम तो पी चुका। यह खेती का मजा है। एक तो भगवान ऐसे पड़े हो, जिसके पास जाड़ा जाए तो गरमी से घबडाकर भागे। मोटे–मोटे गद्दे, लिहाफ, कम्बल मजाल है, जाड़े का गुजर हो जाए। तकदीर की खूबी है। मजदूरी हम करें। मजा दूसरे लूटे।

3) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए–

''तुम भी कुत्ते हो और मैं भी कुत्ता हुँ। फर्क इतना है कि तुम सरकार के कुत्ते हो। हम लोगों की हड्डियाँ चूसते हो और सरकार की तरफ से भी भौंकते हो। मैं परमात्मा का कुत्ता हूँ। उसकी दी हुई हवा खाकर जीता हूँ, और उसकी तरफ से भौंकता हूँ।

4) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

रेल्वे क्वार्टर का वह कमरा जिसमें उन्होंने कितने वर्ष बिताये थे। उनका सामान हट जाने से कुरूप और नग्न लग रहा था। आंगन में रोपे पौधे भी जान–पहचान के लोग गए थे और जगह–जगह मिट्टी बिखरी हुई थी पर पत्नी, बाल बच्चों के साथ रहने की कल्पना में यह बिछोह एक दुर्बल लहर की तरह उठकर विलीन हो गया।

5) निम्न गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

'एक–एक गहना मानो विपत्ति और बाधा से बचाने के लिए एक–एक रक्षास्त्र। अभी रात ही उसने सोचा, जियाराम की लौंडी बनकर वह न रहेगी। ईश्वर न करे, वह किसी के सामने हाथ फैलाए। इसी खेवे से अपनी नाव को भी पार लगा देगी और अपनी बच्ची को भी किसी न किसी घाट पहुँचा देगी। उसे किस बात की चिन्ता। इन्हें तो कोई उससे छीन न लेगा। आज ये मेरे सिंगार है, कल को मेरे आधार हो जाऐंगे। इस विचार से उसके हृदय की कितनी सान्त्वना मिली थी। वही सम्पत्ति आज उसके हाथ से निकल गई।

6) उपन्यास और कहानी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

7) 'उसने कहा था' कहानी के पात्र लहनासिंह का चरित्र चित्रण कीजिए।

8) 'नीलकान्त का सफर' कहानी में व्याप्त परिवेश (वातावरण) का चित्रण कीजिए।

9) 'महाभोज' उपन्यास में 'दा साहब' और 'सुकुल बाबू' की राजनैतिक शैलियों का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्न में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। शब्दसीमा अधिकतम 500 शब्द और प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) 'पुरस्कार' कहानी में प्रसाद जी ने उत्सर्ग की पराकाष्ठा और नारी के भव्य–रूप का अंकन किया है। इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

11) 'निर्मला' उपन्यास एक सामाजिक उपन्यास है।'' इस कथन की उपन्यास में आए विविध सामाजिक संदर्भों से विवेचना कीजिए।

12) महाभोज उपन्यास में समसामयिक व्यवस्था पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

13) टिप्पणी लिखिए। (प्रत्येक 5 अंक की)

क) प्रेमचन्द और उनकी कथाधारा।

ख) वापसी कहानी में दो पीढ़ियों का संघर्ष।

ग) परमात्मा का कुत्ता कहानी में व्यंग्य बोध'।

घ) 'पत्नी कहानी की मूल संवेदना।